गोंय विद्यापीठ
ताळगांव पठार
गोंय - ४०३ २०६
फोन: +९१-८६६९६०९०४८

Goa University
Taleigao Plateau, Goa - 403 206
Tel : +91-8669609048
Email : registrar@unigoa.ac.in
Website: www.unigoa.ac.in

(Accredited by NAAC)

GU/Acad –PG/BoS -NEP/2023/102/5 Date: 15.06.2023

CIRCULAR

The University has decided to implement the UGC Curriculum and Credit Framework for the Undergraduate Programme (CCFUP) of **Bachelor of Arts in Hindi**/**Bachelor of Arts in Hindi (Honours)** under the National Education Policy (NEP) 2020 from the Academic Year 2023-2024 onwards.

The approved Syllabus of Semesters I and II of the **Bachelor of Arts in Hindi**/**Bachelor of Arts in Hindi (Honours**) Programme is attached.

Principals of Affiliated Colleges offering the **Bachelor of Arts in Hindi**/**Bachelor of Arts in Hindi (Honours)** Programme are requested to take note of the above and bring the contents of this Circular to the notice of all concerned.

ASHWIN VYAS LAWANDE Digitally signed by ASHWIN VYAS LAWANDE Date: 2023.06.15 13:20:00 +05'30'

(Ashwin Lawande)
Assistant Registrar – Academic-PG

To,

1. The Principals of Affiliated Colleges offering the Bachelor of Arts in Hindi **/**Bachelor of Arts in Hindi (Honours) Programme.

Copy to:

1. The Director, Directorate of Higher Education, Govt. of Goa
2. The Dean, Shenoi Goembab School of Languages and Literature, Goa University.
3. The Vice-Deans, Shenoi Goembab School of Languages and Literature, Goa University.
4. The Chairperson, BOS in Hindi.
5. The Controller of Examinations, Goa University.
6. The Assistant Registrar, UG Examinations, Goa University.
7. Directorate of Internal Quality Assurance, Goa University for uploading the Syllabus on the University website.

Goa University

Programme Structure for Semester I to VIII Under Graduate Programme - Hindi

Semester	**Major -Core**	**Minor**	**MC**	**AEC**	**SEC**	**I**	**D**	**VAC**	**Total Credits**	**Exit**
I	**HIN-100** हिंदी कहानी साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन **(4)**	**HIN-111** हिंदी नाट्य साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन **(4)**	**HIN-131** आधुनिकहिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएँ **(3)**		**HIN-141** वृत्तचित्र लेखन एवं निर्माण **(1T+2P)**					
II			**HIN -132** सिनेमा में साहित्य **(3)**		**HIN- 142** समाचार लेखन एवं प्रस्तुतिकरण **(1T+2P)**					**EXT-1 HIN-161 (Course Title) (4)**
III	**1.HIN-200**हिंदी गद्य :कथा साहित्य एवं एकांकी**(4)** **2.HIN-201** हिंदी काव्य**(4)**	**HIN-211**हिंदी गीत और ग़ज़ल **(4)**	**HIN-231** लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य **(3)**	**HIN-251**भाषा कौशल **(2)**	**HIN-241**अनुवाद **(1T+2P)**					
IV	**1.HIN-202** आधुनिक हिंदी काव्य**(4)** **2.HIN-203**रचनाकार का विशेष अध्ययन**(4)**	**HIN-221** प्रयोजनमूलक हिंदी **(V) (4)**		**HIN-252**संभाषण कौशल **(2)**						EXT-2 HIN-162 (Course Title) (4)

	3.HIN-204 लोकसाहित्य **(4)** **4.HIN-205**हिंदीनिबंध **(2)**									
V	**1.HIN-300** हिंदी साहित्य का इतिहास :आदिकाल से रीतिकाल तक**(4)** **2.HIN-301** अस्मितामूलक विमर्श**(4)** **3.HIN-302** रचनात्मक लेखन **(4)** **4.HIN-303**हिंदी आत्मकथा साहित्य**(2)**	**HIN-321**जनसंचार एवं पत्रकारिता **(V) (4)**								
VI	**1.HIN-304**हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक कल**(4)** **2.HIN-305** भारतीय साहित्य**(4)** **3.HIN-306**साहित्य : विचार एवं दर्शन **(4)** **4.HIN-307**प्रकल्प कार्य **(4)**	**HIN-322** साहित्य और सिनेमा **(V) (4)**								

VII	**1.HIN-400** भाषा विज्ञान **(4)** **2.HIN-401** मध्यकालीन काव्य **(4)** **3.HIN-402** भारतीय काव्यशास्त्र **(4)** **4.HIN-403**शोध प्रविधि**(4)**	**HIN-411**हिंदी की अन्य विद्याएं **(4)**								
VIII	**1.HIN-404**हिंदी भाषा लिपि एवं व्याकरण **(4)** **2.HIN-405** पाश्चात्यकाव्यशास्त्र **(4)** **3.HIN-406** आलोचक और अलोचना **(4)** **4.HIN-407**नाटक एवं रंगमंच **(4)**	**HIN-412** समकालीन काव्य **(4)**								

*** Exit courses List along with the syllabus will be provided separately**

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी

पाठ्यक्रम : HIN-100

पाठ्यक्रम का शीर्षक : हिंदी कहानी साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन (Hindi Story Literature : Introductory Study**)**

श्रेयांक : 04 (60)

शैक्षिक वर्ष से लागू : 2023-24

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वपेक्षित	हिंदी भाषा की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे (60)**
उद्देश्य	• हिंदी कहानी के प्रति रुचि बढ़ाना। • कहानी साहित्य की अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना। • हिंदी कहानिकारों तथा उनकी कहानियों से परिचित कराना। • श्रवण, पठन और लेखन क्षमताओं को विकसित करना।	
पाठ्य विषय	**1.कहानी : अवधारणा एवं स्वरूप** • **हिंदी के प्रमुख कहानीकार** : **सामान्य परिचय** आचार्यरामचन्द्र शुक्ल,प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश,राजेंद्र यादव, कमलेश्वर,निर्मल वर्मा, उषा प्रियंवदा, ज्ञानरंजन, सूर्यबाला, उदय प्रकाश, गिरिराज किशोर।	**15**
	2.प्रेमचंद पूर्व और प्रेमचंद युगीन कहानी • ग्यारह वर्ष का समय- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल • पूस की रात-प्रेमचंद • पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद • कवि का प्रायश्चित-सुदर्शन	**15**
	3.प्रेमचंदोत्तर कहानी • पंचलाइट- फणीश्वरनाथ रेणु • वारिस- मोहन राकेश • मेहमान-राजेन्द्र यादव • कसबे का आदमी-कमलेश्वर	**15**
	4.समकालीन कहानी • भाग्यरेखा-भीष्म साहनी • हंसा जाई अकेला-मार्कण्डेय • यहीं तक-राजी सेठ • अब उठूँगी राख से-जया जादवानी	**15**
अध्यापन पद्धति	अतिथि व्याख्यान, चर्चा, कार्यशाला, दृश्य श्रव्य प्रस्तुतीकरण, व्यावहारिक प्रयोग, अध्ययन भ्रमण	

संदर्भ ग्रंथ सूची	1) श्रीवास्तव, परमानन्द, हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012 **2)** त्रिपाठी, विश्वनाथ, कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, 2015 3) मधुरेश, हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2014 4) मिश्र, रामदरश, हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014 5) राय, गोपाल, हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, 2016 6) शर्मा, रामविलास, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016	
अधिगम परिणाम	• हिंदी कहानी के प्रति रुचि बढ़ेगी। • कहानी की अवधारणा और स्वरूप से परिचित होंगे। • हिंदी के प्रमुख कहानीकार तथा उनकी कहानियों से अवगत हो सकेंगे। • सृजनशीलता विकसित होगी।	

कार्यक्रम: स्नातकहिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-111

पाठ्यक्रमकाशीर्षक: हिंदी नाट्य साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन **(**Hindi Drama Literature :Introductory Study**)**

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिकवर्षसेलागू: 2023-24

पाठ्यक्रमकेलिएपूर्वापेक्षि	• हिंदी साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	**घंटे(60)**
उद्देश्य	• आधुनिक नाटक के प्रति रुचि जागृत करना। • हिंदी नाटक काअध्ययन करना। • हिंदी नाटक की प्रक्रिया तथा प्रवृत्तियों का विवेचन तथा विश्लेषण करना। • रचना के माध्यम से मानवीय मूल्यों को विकसित करना।	
पाठ्यविषय	**1.नाटक :** अवधारणा एवं स्वरूप • नाटक के तत्त्व • प्रमुख हिंदी नाटककार : सामान्य परिचय • भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, उपेंद्रनाथ अश्क,धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल, मोहन राकेश, सुरेंद्र वर्मा, शंकर शेष, मणि मधुकर, हबीब तनवीर,असग़र वजाहत, मीरा कांत	**15**
	2. स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक • छठा बेटा – उपेंद्रनाथ अश्क	**15**
	3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक • बकरी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	**15**
	4.21वीं सदी काहिंदी नाटक • सकुबाई- नादिरा बब्बर	**15**
अध्यापनविधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, कार्यशाला	
आधार ग्रंथ	1) अश्क,उपेंद्रनाथ-छठा बेटा, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद, 1940 **2)** बब्बर, नादिरा जहिर – सकुबाई, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008 **3)** सक्सेना,सर्वेश्वरदयाल -बकरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1974	
संदर्भग्रंथसूची	1) ओझा, दशरथ, हिंदी नाटक : उद्भव और विकास,राजपालप्रकाशन, नयी दिल्ली,2017 2) चातक, गोविंद, हिंदी नाटक : इतिहास के सोपान, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली,2002 3) रस्तोगी, गिरिश, बीसवीं शताब्दी का हिंदी नाटक और रंगमंच,ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018	

	4) तनेजा, जयदेव, समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली,2002 5) तनेजा, जयदेव, हिंदी नाटक : आज तक, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली,	
अधिगमपरिणाम	• हिंदी नाट्य साहित्य के प्रति रुचि जागृत होगी। • हिंदी नाटक कीप्रवृत्तियों का विवेचन तथा विश्लेषण कर सकेंगे। • चयनित नाटकों का अध्ययन एवं विश्लेषण कर सकेंगे। • रचना के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित होंगे।	

कार्यक्रम : स्नातक हिंदी

पाठ्यक्रम : HIN-131

पाठ्यक्रम का शीर्षक : आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएँ (Major Genres of Modern Hindi Literature**)**

श्रेयांक : 3(45 घंटे)

शैक्षिक वर्ष से लागू :2023-2024

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	**हिंदी भाषा की सामान्य जानकारी होना अपेक्षित है।**	**घंटे(45)**
उद्देश्य	• आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं के प्रति रुचि जागृत करना। • प्रमुख रचनाओं के माध्यम से विचार-विमर्श के लिए प्रेरित करना। • रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित करना। • रचनाओं के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. कविता** • **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** – भिक्षुक • **हरिवंशराय बच्चन** – नीड़ का निर्माण • **केदारनाथ सिंह** – ऊँचाई • **दुष्यंत कुमार** – इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है • **अरुण कमल** – धार • **नीलेश रघुवंशी** – हंडा	**15**
	2. कहानी • **प्रेमचंद** – सद्‌गति • **फ़णीश्वरनाथ रेणु** – जड़ाऊ मुखड़ा • **मैत्रेयी पुष्पा** - फैसला **3. निबंध** • **प्रताप नारायण मिश्र** – एक • **कुबेरनाथ राय** – कुब्जा-सुंदरी • **हरिशंकर परसाई** – पगडंडियों का ज़माना	**15**
	4. नाट्यांश एवं एकांकी • शंकर शेष - रक्तबीज (अंक 1) • जगदीशचंद्र माथुर – रीढ़ की हड्डी	**15**
अध्यापन पध्दति	व्याख़्यान, कार्यशाला, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) ओझा, दशरथ: हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 2013 2) गोपालराय : हिंदी कहानी का इतिहास भाग – 1,2,3, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली	

	3) नगेंद्र : आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली सं. 1979 4) मधुरेश : हिंदी कहानी का विकास, सुमति प्रकाशन, इलाहबाद 2014 5) सिंह, नामवर: आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद सं. 1991 6) सिंह, नामवर : कहानी नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद, सं. 1992	
अधिगम परिणाम	● आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं की जानकारी प्राप्त होगी। ● रचना के माध्यम से विचार-विमर्श करना सीखेंगे। ● रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित होंगे । ● रचना के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित होंगे।	

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी

पाठ्यक्रम:HIN-141

पाठ्यक्रम का शीर्षक: वृत्तचित्र लेखन एवं निर्माण (Documentary writing & Production**)**

(1Theory+2Practical)

श्रेयांक: 03 (75)

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2023-24

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	वृत्तचित्र में रूचि होना आवश्यक है।	**घंटे (75)**
उद्देश्य	• वृत्तचित्र की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित करना। • वृत्तचित्र का व्यावहारिक ज्ञान देना। • वृत्तचित्र की प्रक्रिया को समझाना । • वृत्तचित्र का निर्माण कराना।	
पाठ्य विषय	**1. वृत्तचित्र लेखन** • **अवधारणा, स्वरूप,एवं महत्व**। • वृत्तचित्र लेखन परंपरा। • वृत्तचित्र लेखन के प्रकार	**15**
	2. वृत्तचित्र निर्माण: व्यावहारिक प्रयोग • विषय निर्धारण • विषय के अनुसार स्क्रिप्ट लेखन • पात्र संयोजन • शूटिंग सारणी • संकलन • वॉयसओवर • संगीत • कैमेरा का संचालन	**30**
	3.वृत्तचित्र निर्माण: व्यावहारिक प्रयोग • किसी एक विषय पर दस मिनट का वृत्तचित्र निर्माण एवं प्रस्तुति ।	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कार्यशाला, संगोष्ठी, दृश्य- श्रव्य प्रस्तुति, स्टुडिओ।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1. मिश्र, डॉ चंद्रप्रकाश, मीडिया लेखन – सिद्धांत और व्यवहार-, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली भारत, 2013 2. डॉ राहुल भदाणे, मीडिया लेखन, प्रशांत प्रकाशन, 3- प्रताप नगर, ज्ञानेश्वरमार्ग, जलगांव- 425001, 2020 3. सुशील गौतम, वृत्तचित्र लेखन एवं फ़िल्म तकनीक, Publication Division Ministry of I &B, 2016	

	4. प्रो॰ सूर्यप्रसाद दीक्षित, डॉ पवन अग्रवाल, मीडिया लेखन –कला, वाल्मिकी मार्ग, लखनऊ , 226001 न्यू रॉयल बुक कंपनी. **5.** रवींद्र कात्यायन, मीडिया लेखन एवं फ़िल्म विमर्श, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद -201102, 2018 **6.** मुकुल श्रीवास्तव, सूचना, संचार और समाचार, वाल्मिकी मार्ग, लखनऊ , 226001 न्यू रॉयल बुक कंपनी.	
अधिगम परिणाम	● वृत्तचित्र की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। ● वृत्तचित्र की रचनात्मक अंतर्दृष्टि को समझेंगे। ● वृत्तचित्र निर्माण की प्रक्रिया से अवगत होंगे। ● वृत्तचित्र के विभिन्न दृष्टिकोणों से परिचित होंगे।	

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-132

पाठ्यक्रम का शीर्षक: सिनेमा में साहित्य (Literature in Film**)**

श्रेयांक: 03 (45)

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2023-24

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षि	सिनेमा और उसके अध्ययन में रुचि होना अपेक्षित।	**घंटे** (45)
उद्देश्य	• सिनेमा और साहित्य के स्वरूप से परिचित कराना। • सिनेमा और साहित्य के अंतःसंबंध को जानना। • सिनेमा में प्रयुक्त साहित्य के विविध रूपों से अवगत कराना। • फिल्म लेखन से जुड़े चुनिंदा रचनाकारों से परिचित होना।	
पाठ्य विषय	**1.सिनेमा और साहित्य** • साहित्य का स्वरूप • सिनेमा का स्वरूप • साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध • सिनेमा में साहित्य- कथा, पटकथा, संवाद, गीत • फिल्म समीक्षा	**15**
	2. हिंदी सिनेमा में साहित्य • तीसरी कसम • प्यासा (कथा, पटकथा, संवाद, गीत के संदर्भ में अध्ययन)	**15**
	3.फिल्म लेखन से जुड़े चुनिंदा रचनाकार • गुलज़ार • सलीम-जावेद • अनुराग कश्यप • अमिताभ भट्टाचार्य	**15**
अध्यापन विधि	व्याख़्यान, कार्यशाला, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) अख़्तर,जावेद,सिनेमा के बारेमें,राजकलम प्रकाशन,2008 2) ओझा अनुपम,भारतीय सिने सिद्धांत,राधाकृष्ण प्रकाशन,2009 3) भारद्वाज,विनोद,सिनेमा कल,आजऔर कल,हिंदीबूक सेंटर,2006 4) राजावत,सिंह,नारायण,हिंदी सिनेमाके सौ वर्ष,भारतीय पुस्तकपरिषद,2009	

अधिगम परिणाम	• सिनेमा और साहित्य के स्वरूप से परिचित होंगे। • सिनेमा और साहित्य के अंतःसंबंध को जानेंगे। • सिनेमा में प्रयुक्त साहित्य के विविध रूपों से अवगत होंगे। • फिल्म लेखन से जुड़े चुनिंदा रचनाकारों से परिचित होंगे।	

कार्यक्रमः स्नातक हिंदी

सत्र – II

पाठ्यक्रम:HIN-142

पाठ्यक्रम का शीर्षक: समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण (News Writing & Presentation**)**

श्रेयांकः 03(75) (1 Theory +2 Practical)

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2023-24

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापे	पत्रकारिता में रुचि होना आवश्यक है।	**घंटे(75)**
उद्देश्य	• समाचार संकलन की अवधारणा से परिचित कराना । • समाचार संकलन एवं लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना। • समाचार लेखन संबंधी विभिन्न माध्यमों का प्रशिक्षण देना। • संचार माध्यमों के लिए समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण में सक्षम बनाना।	
पाठ्य विषय	**1. समाचार संकलन :** • समाचार लेखन : संकल्पना एवं स्वरूप (तत्व और प्रकार) • मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के समाचार : विशेषताएं एवं अंतर • समाचारों के विभिन्न स्रोत • समाचार-लेखन प्रक्रिया(मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक)	**15**
	2. मुद्रित समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण • मुद्रित समाचार आलेखन • पूर्णकालिक, अंशकालिक एवं फ्रीलांसर स्वरूप में समाचार लेखन • सम्पादन • समाचार संस्थानों को भेंट	**30**
	3.मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण • रेडियो समाचार लेखन – संकलन -सम्पादन, अनुवाद , बुलेटिन निर्माण एवं प्रस्तुति • दूरदर्शन समाचार लेखन, सम्पादन, अनुवाद एवं प्रस्तुति	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, दृकश्राव्य प्रस्तुति, समाचार पत्र के दफ्तर, आकाशवाणी केंद्र, दूरदर्शन केंद्र, या अन्य चैनल के केंद्र को भेट, प्रत्यक्ष समाचार लेखन ।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) अग्रवाल, सुरेश : जनसंचार माध्यम, नमन प्रकाशन दिल्ली, 2005	

	2) हरिमोहन: समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली, 2003 3) पंत, एन सी.: मीडिया लेखन के सिद्धांत, जवाहर पुस्तकालय मथुरा, 2009	
अधिगम परिणाम	● समाचार संकलन की अवधारणा से परिचित होंगे। ● समाचार संकलन एवं लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से अवगतहोंगे। ● समाचार लेखन का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे । ● संचार माध्यमों के लिए समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण में सक्षम होंगे।	